वाराणसी में आयुर्वेद संस्थान की स्थापना

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर, **उत्तर प्रदेश सरकार** ने **वाराणसी** में एक प्रमुख आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- यह आयुर्वेद संस्थान **AIIMS** के समान स्तर का होगा तथा इसका उद्देश्य आयुर्वेद के **अनुसंधान और विकास** को प्रोत्साहित करने तथा **पारंपरिक चिकित्सा पद्धति** को सशक्त बनाना है।
- यह संस्थान 10 एकड़ क्षेत्र में निर्मित होगा, जिसमें शैक्षणिक सुविधाओं के साथ-साथ आधुनिक उपचार केंद्र भी शामिल होंगे। इसमें **आयुर्वेद** के लिये एक **मेडिकल कॉलेज** तथा **इनडोर और आउटडोर** दोनों प्रकार की रोगी-सेवा सुविधाएँ शामिल होंगी।
- बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से राज्य सरकार 104 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश में नए **आयुष औषधालय** स्थापित करेगी। इसके अतिरिक्त, **गोंडा, बस्ती, मिर्ज़ापुर, आगरा और मेरठ** जैसे प्रमुख शहरों में नए **आयुष मेडिकल कॉलेज** खोले जाएंगे, जो देश में पारंपरिक चिकित्सा के प्रसार के साथ-साथ आयुर्वेद में उच्च अध्ययन एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देंगे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

- **आयुर्वेद दिवस**, जो पहली बार वर्ष 2016 में मनाया गया था, इस वर्ष **23 सितंबर को मनाया गया**। पूर्व में इसे **धन्वंतरि जयंती (धनतेरस)** के अवसर पर मनाने की परंपरा थी, जिसे बाद में समाप्त कर दिया गया।
- वर्ष 2025 के लिये निर्धारित विषय "**लोगों और ग्रह के लिये आयुर्वेद**" था, जिसमें आयुर्वेद के माध्यम से **वैश्विक कल्याण** तथा **पर्यावरणीय स्थिरता** पर विशेष ज़ोर दिया गया।

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु-** चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि -** शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

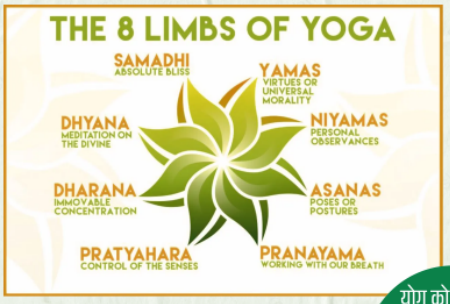

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्टरम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/establishment-of-ayurveda-institute-in-varanasi